जिस्मानी रिश्तों की चाह-47

“आपी मेरा लन्ड चूसना चाह रही थी लेकिन उनको बार बार उबकाई आ रही थी। फ़िर भी उन्होंने कोशिश जारी रखी। कहानी को पढ़ कर देखिये कि आपी इस कोशिश में कितनी कामयाब हुई …”

Story By: zooza ji (zoozaji)
Posted: रविवार, जुलाई 31st, 2016
Categories: भाई बहन
Online version: जिस्मानी रिश्तों की चाह-47

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

जिस्मानी रिश्तों की चाह-47

सम्पादक जूजा

आपी धीरे धीरे मेरे लंड को मुँह में लेने की कोशिश कर रही थी, लेकिन बार बार उनको उबकाई सी आ जाती थी।

आपी ने तीसरी बार पूरा मुँह में लेने की कोशिश नहीं की और मेरे लंड को अपने मुँह से बाहर निकाल कर उससे ऊपर की तरफ सीधा किया और लंड की जड़ में अपनी ज़ुबान का ऊपरी हिस्सा रख कर पूरे लंड की लंबाई को चाटते हुए नोक तक आईं और एक बार लंड की टोपी पर ज़ुबान फेर कर उससे नीचे की तरफ दबाया और लंड के ऊपरी हिस्से की लंबाई को ऊपर से नीचे जड़ तक चाटा।

फिर इसी तरह आपी ने मेरे लंड को दोनों साइड्स से ऊपर से नीचे और नीचे से ऊपर तक चाटा और फिर लंड को मुँह में ले लिया। लेकिन इस बार आपी ने आधा ही लंड मुँह में डाला और उस पर अपने होंठों की गिरफ्त को टाइट करके अन्दर की तरफ चूसने लगीं।

लंड को इस तरह चूसने से आपी के दोनों गाल पिचक कर अन्दर घुस जाते और उनका चेहरा लाल हो जाता था।

आपी इतनी ताक़त से चूस रही थीं कि मुझे साफ महसूस हुआ कि मेरे लंड के अन्दर से मेरी मलाई का एक क़तरा रगड़ खाता हुआ बाहर की तरफ जा रहा है।
जब वो क़तरा मेरे लंड की नोक से बाहर आया तो मेरे जिस्म और लंड को एक झटका सा लगा।

मैंने झटका लेकर आपी की तरफ देखा.. तो वो मेरे चेहरे पर ही नज़र जमाए हुए थीं और

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मेरी हालत से लुत्फ़ ले रही थीं।
मुझसे नज़र मिलने पर आपी ने शरारत से आँख मारी और फिर अपने मुँह को मेरे लंड पर आगे-पीछे करने लगीं।

जब आपी मेरे लंड पर अपना मुँह आगे की तरफ लाती थीं.. तो अन्दर से अपने मुँह के जबड़ों की गिरफ्त को ढीला कर देतीं और जब मेरा लंड अपने मुँह से बाहर लातीं तो सिर को तो पीछे की जानिब हटाती थीं.. जिससे लंड बाहर आना शुरू हो जाता था।

लेकिन बाहर लाते वक़्त आपी अपने मुँह के अन्दर वाले हिस्से से लौड़े को ऐसे चूसतीं कि मेरा लंड अन्दर की तरफ खिंचता हुआ बाहर आता था।

पता नहीं मैं आपको यह अंदाज़ समझा पाया हूँ या नहीं.. बहरहाल एक बार फिर गौर से पढ़िएगा तो आपको समझ आ जाएगा।

इस अंदाज़ से कभी फरहान ने भी मेरा लंड ना चूसा था.. बल्कि फरहान क्या मैंने भी कभी ऐसे नहीं चुसवाया था.. जैसे आपी चूस रही थीं।

कुछ देर तक इसी तरह आपी मेरा लंड चूसती रहीं और फिर जब भी आपी लंड को अपने मुँह के अन्दर धकेलतीं.. तो आख़िर में एक झटका मारती थीं.. जिससे मेरा लंड हर बार थोड़ा-थोड़ा ज्यादा अन्दर जाने लगा था।

कुछ ही देर में आपी की कोशिश रंग लाई और उन्होंने जड़ तक मेरा लंड अपने मुँह में लेना शुरू कर दिया।

लेकिन सिर्फ़ एक लम्हें को ही आपी के होंठ मेरे लंड की जड़ तक पहुँच पाते थे और फिर आपी वापस लंड को बाहर निकालना शुरू कर देती थीं।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

आपी का हाथ मेरे पेट और लंड के दरमियानी हिस्से पर रखा हुआ था.. जहाँ से मेरे लंड के बाल शुरू होते हैं।

आपी ने इसी तरह मेरा लंड चूसते-चूसते अपना हाथ मेरे लंड के बालों वाली जगह से उठाया और मेरे लंड के नीचे लटकती गोटों को पकड़ लिया और आहिस्ता-आहिस्ता इन बॉल्स को सहलाने लगीं।

आपी का हाथ मेरी बॉल्स पर टच हुआ तो सुरूर की एक और लहर मेरे बदन से उठी और मुझे ऐसा लगा कि शायद मैं अब अपने आप पर कंट्रोल नहीं कर पाउंगा, मैंने दोनों हाथों से आपी का चेहरा थामा और अपना लंड उनके मुँह से निकाल लिया और आँखें बंद करके लंबी-लंबी साँसें लेने लगा।

मुझे साफ महसूस हुआ कि मेरे लंड का जूस जो कि बाहर आने लगा था.. वो अब वापस मेरी रगों में जा रहा है।

चंद सेकेंड बाद जब मैंने यह महसूस किया कि अब मैंने अपनी हालत पर कंट्रोल कर लिया है..
तो मैंने आँखें खोलीं और आपी की तरफ देखा।

आपी का चेहरा मेरे हाथों में और उनका मुँह थोड़ा सा खुला हुआ मेरे लंड से तकरीबन 4 इंच दूर था.. मेरे लंड की नोक से एक पतली सी लकीर आपी के निचले होंठ तक गई हुई थी। वो पता नहीं मेरे लंड का जूस (मेरा प्री कम) था या आपी की थूक(सलाइवा) थी.. जो बारीक सी तार की तरह मेरे लंड की नोक से आपी के होंठों तक गई हुई थी।

आपी की नजरें मेरे चेहरे पर ही जमी थीं और शायद उन्होंने इस लकीर को देखा ही नहीं था।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मैंने आपी का चेहरा एक हाथ से मज़बूती से थामा कि वो मुँह हिला ना सकें और दूसरे हाथ की उंगली आपी की आँख के सामने लहराई।

आपी ने कुछ ना समझने वाले अंदाज़ में मेरी उंगली को देखा और मैं अपनी उंगली नीचे अपने लंड की तरफ ले जाने लगा।

आपी की नजरें मेरी उंगली पर ही जमी थीं और उंगली के साथ-साथ गर्दिश कर रही थीं।

मैंने अपनी उंगली अपने लंड की टोपी पर नोक के पास रखी.. तो उसी वक़्त आपी की नज़र भी मेरी प्री-कम के उस बारीक तार पर पड़ी और मैंने आपी के चेहरे को मज़बूती से थाम लिया कि कहीं आपी पीछे हटने की कोशिश ना करें।

लेकिन मैंने महसूस क्या कि आपी ने ऐसी कोई कोशिश नहीं की तो मैंने भी गिरफ्त ढीली कर दी और उनकी नजरें मेरे लंड की नोक से उसी तार पर होती हुई उनके अपने होंठों तक गईं।

आपी ने मुस्कुरा कर मेरी आँखों में देखा।
आपी की आँखों में अजीब सी चमक थी.. अजीब सा खुमार था.. जो इस अहसास के लिए था कि यह उनकी ज़िंदगी का पहला लंड था.. जिसको उन्होंने चूसा और उसके ज़ायक़े को महसूस किया और लंड भी उनके अपने सगे भाई का था।

मैंने अपनी उंगली आपी के होंठों पर रखी और अपनी प्री-कम की लकीर को उनके होंठों से लेकर के अपनी उंगली पर ले लिया और उस तार को उंगली पर समेटते हुए अपने लंड की नोक तक आया.. और वहाँ से भी उस तार को तोड़ लिया।

मैंने अपनी उंगली आपी को दिखाई.. आपी ने मेरी उंगली पर लगा मेरे लंड का जूस देखा और नर्मी से मेरा हाथ पकड़ कर अपनी आँखों के क़रीब ले गईं और फिर अचानक ही झपट

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

कर मेरी उंगली अपने मुँह में लेकर उससे चूसने लगीं।

मैं आपी का यह अंदाज़ देख कर दंग रह गया।
आपी ने मेरी पूरी उंगली चूसी और मेरा हाथ छोड़ कर फिर से मेरे लंड को अपने हाथ में पकड़ कर.. अपनी ज़ुबान लंड के सुराख में घुसाने लगीं।

एक बार फिर उन्होंने पूरे लंड को चाटने के बाद लंड मुँह में लिया और तेजी से अपने मुँह में अन्दर-बाहर करना शुरू कर दिया।

कुछ ही देर बाद मेरा जिस्म अकड़ना शुरू हो गया.. मैंने कोशिश की कि मैं अपने आप पर कंट्रोल करूँ.. लेकिन जल्द ही मुझे महसूस हुआ कि मैं अबकी बार अपने आपको नहीं रोक पाऊँगा।

मैंने अपनी तमाम रगों को फैलता- सिकुड़ता महसूस किया.. और मैंने चीखती आवाज़ में बा-मुश्किला कहा- आपीयईईईई.. मैं छूटने वाला हून्ंननणन्..

आपी ने मेरी बात सुनते ही लंड को मुँह से निकाला और तेजी से मेरे लंड को अपने हाथ से मसलने लगीं, फिर 3-4 सेकंड बाद ही मेरे मुँह से एक तेज ‘आअहह’ निकली और मेरे लंड ने फव्वारे की सूरत में अपने जूस की पहली धार छोड़ी.. जो सीधी मेरी बहन के हसीन गुलाबी उभारों पर गिरी।

आपी ने अपना हाथ मेरे लंड से नहीं हटाया और इस धार को देख कर और तेजी से मेरे लंड को रगड़ने लगीं।

दो-दो सेकंड के वक्फे से मेरे लंड से एक धार निकलती.. और आपी के मम्मों या पेट पर चिपक जाती।
तकरीबन एक मिनट तक मेरा लंड और जिस्म झटके ख़ाता रहा और जूस बहता रहा।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

आपी ने मेरे लंड से निकलते इस समुंदर को देखा तो बोलीं- वॉववववव.. आज तो मेरी जान.. मेरा सोहना भाई बहुत ही जोश में है..

यह सच था कि आज से पहले कभी मेरे लंड ने इतना ज्यादा जूस नहीं छोड़ा था और मैं कभी इतना निढाल भी नहीं हुआ था।

आपी ने भी अपना हाथ चलाना अब बंद कर दिया था.. लेकिन बदस्तूर मेरे लंड को थाम रखा था।
मैंने निढाल सी कैफियत में अधखुली आँखों से आपी को देखा.. उनके सीने के उभारों और पेट पर मेरे लंड से निकले जूस ने आड़ी तिरछी लकीरें सी बना डाली थीं।

आपी ने अपने जिस्म पर नज़र डाली और मेरे लंड को छोड़ कर अपनी उंगली से अपने खूबसूरत निप्पल्स पर लगे मेरे लंड के जूस को साफ किया और काफ़ी सारी मिक़दर अपनी उंगली पर उठा कर उंगली अपने मुँह में डाल ली।

मैं आपी को देख तो रहा था.. लेकिन इतना निढाल था कि कुछ बोलना तो दूर की बात है.. आपी की इस हरकत पर हैरत भी ना ज़ाहिर कर सका और खाली-खाली आँखों से आपी को देखता रहा।

आपी ने उंगली को अच्छी तरह चूसा और मुझे आँख मार के अपनी आँखों को गोल-गोल घुमाते हो कहा- उम्म्म यूम्ममय्ययई.. यार सगीर यह तो मज़े की चीज़ है।
वे यह बोल कर हँसने लगीं।

मैंने भी मुस्कुरा कर आपी का साथ दिया।

अचानक ही आपी की हँसी को ब्रेक लग गया और उन्होंने घबराए हुए अंदाज़ में घड़ी को देखा।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

ये वाक़िया मुसलसल जारी है।

avzooza@gmail.com

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other sites in IPE

Wahed

URL: www.wahedsex.com/ **Average traffic per day:** 80 000 GA sessions **Site language:** Arabic **Site type:** Story **Target country:** Arab countries The largest library of hot Arabic sex stories that contains the most beautiful diverse sexual stories written in Arabic.

Tamil Kamaveri

URL: www.tamilkamaveri.com **Average traffic per day:** 113 000 GA sessions **Site language:** Tamil **Site type:** Story **Target country:** India Daily updating at least 5 hot sex stories in Tamil language.

Pinay Video Scandals

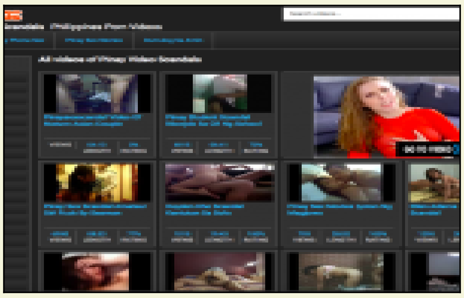

URL: www.pinayvideoscandals.com **Average traffic per day:** 22 000 GA sessions **Site language:** Filipino **Site type:** Video and story **Target country:** Philippines Watch latest Pinay sex scandals and read Pinay sex stories for free.

Delhi Sex Chat

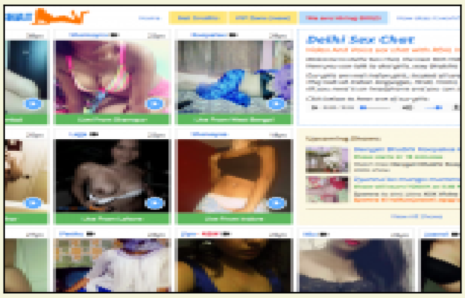

URL: www.delhisexchat.com **Site language:** English **Site type:** Cams **Target country:** India Are you in a sexual mood to have a chat with hot chicks? Then, these hot new babes from DelhiSexChat will definitely arouse your mood.

Velamma

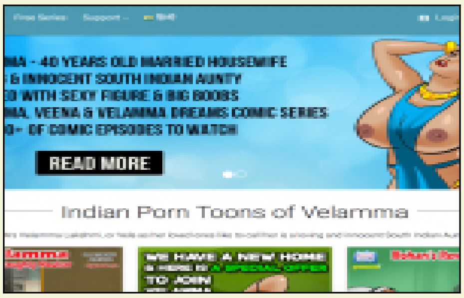

URL: www.velamma.com **Site language:** English, Hindi **Site type:** Comic / pay site **Target country:** India Vela as her loved ones like to call her is a loving and innocent South Indian Aunty. However like most of the woman in her family, she was blessed with an extremely sexy figure with boobs like they came from heaven!

Indian Gay Porn Videos

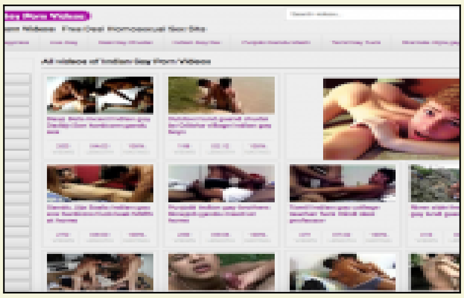

URL: www.indiangaypornvideos.com **Average traffic per day:** 10 000 GA sessions **Site language:** **Site type:** Video **Target country:** India Welcome to the world of gay porn where you will mostly find Indian gay guys enjoying each other's bodies either openly for money or behind their family's back for fun.

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire